मूल्य 1 रु.
वर्ष: 14 - अंक : 91, मुंबई, गुरुवार, 30 मई, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

पुलिस स्टेशन में तलाशी के नाम पर...

पुलिसकर्मी ने उतरवाए महिला के सारे कपड़े

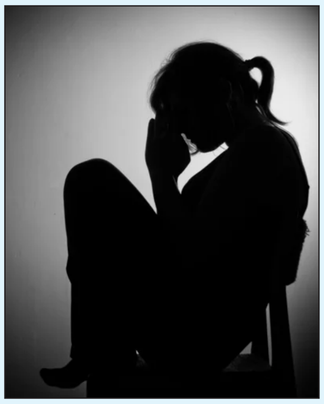

मुंबई हलचल/संवाददाता

नवी मुंबई। नवी मुंबई के कोपरखैरणे स्थित बोनकोडे गांव की रहने वाली एक महिला ने कोपर खैरणे के तीन पुलिस कर्मचारियों द्वारा गांजा बेचने का झूठा आरोप लगाते हुए पुलिस चौकी के भीतर कपड़े उतरवा कर तलाशी लेने का आरोप लगाया है। महिला ने इस बात की लिखित शिकायत नवी मुंबई जोन एक के पुलिस उपायुक्त पंकज दहाने से की है। पुलिस उपायुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस मामले में जांच के आदेश भी दिए हैं। महिला ने पुलिस उपायुक्त को लिखे गए पत्र में बताया है कि वह 21 मई को सुबह साढ़े 10 बजे के आसपास सब्जी खरीदने के लिए गयी थी , वह जब सब्जी खरीद रही थी तभी उसके पास साहू ठाकर, दलवी और शिरसाठ आए और स्कूटी के पेपर दिखाने की मांग करने लगे लेकिन उस समय गाड़ी के पेपर पास नहीं थे इसलिए उसने पेपर घर से लाने की बात कही। महिला ने बताया कि यह तीनों पुलिस कर्मी उसकी बात सुनने के लिए तैयार नहीं हुए लेकिन बाद में यह लोग उस इमारत में आए और पूछताछ शुरू की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पुणे पोर्शे कांड में बड़ा एक्शन

दो डॉक्टर सस्पेंड, रक्त नमूने से हेरफेर का था आरोप

मुंबई। पुणे पोर्शे क्रैश केस मामले में आरोपियों को बचाने के आरोपी दो चिकित्सकों को सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी ससून जनरल अस्पताल के दो डॉक्टरों को निलंबित कर दिया, जिन्हें पुणे में पोर्शे कार दुर्घटना में शामिल नाबालिग चालक के रक्त के नमूने में कथित हेरफेर के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को सरकारी ससून जनरल अस्पताल के दो डॉक्टरों को निलंबित कर दिया, जिन्हें पुणे में पोर्शे कार दुर्घटना में शामिल नाबालिग चालक के रक्त के नमूने में कथित हेरफेर के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई पुलिस का बड़ा खुलासा

घाटकोपर इलाके में गिरे होर्डिंग की घटिया थी गुणवत्ता

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यहां एक अदालत को बताया कि इस महीने की शुरूआत में शहर के घाटकोपर इलाके में गिरे होर्डिंग की गुणवत्ता घटिया थी। पुलिस ने इसी के साथ मामले में मुख्य आरोपी भावेश भिंडे की पुलिस हिरासत एक दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (महानगर दंडाधिकारी) की अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए भिंडे की पुलिस हिरासत बृहस्पतिवार तक के लिए बढ़ा दी। ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक भिंडे को 16 मई को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार किया गया था। मुंबई के घाटकोपर इलाके में 13 मई को धूल भरी आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान एक पेट्रोल पंप पर ईगो मीडिया द्वारा लगाया गया विशाल होर्डिंग गिर गया जिसकी चपेट में आने से 17 लोगों की मौत हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में सूखे का गंभीर संकट और छुट्टी पर एकनाथ शिंदे

मुख्यमंत्री शिंदे के अवकाश पर भारी बवाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि राज्य में सूखे से आम लोगों की हालात बेहद खराब है। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में 15 से 20 दिनों से लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। राज्य के 75 फीसदी हिस्सा भीषण सूखे की चपेट में है। लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तीन दिनों की छुट्टी पर चले गए हैं। हालांकि पटोले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों को न्याय दिलाने के लिए सूखा निगरानी दौरे पर जा रही है। यह दौरा 31 मई से शुरू होगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बुधवार को तिलक भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मैं मराठवाडा क्षेत्र का दौरा करूंगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पीने के पानी और जानवरों का चारा, बड़ी समस्या

पटोले ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में लोगों को पीने के पानी के साथ-साथ जानवरों के चारे के लिए गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी उदासीनता के कारण टैंकर माफिया लगातार सक्रिय है। सरकार कह रही है कि पानी के टैंकरों में जीपीएस लगा है लेकिन इसे हटाकर मोटरसाइकिलों पर लगाया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सरकार पानी टैंकर माफियाओं से पैसा वसूलती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार सूखा पीड़ितों की मदद करने के लिए आचार संहिता का बहाना बना रही है, लेकिन क्या टेंडर निकालने के लिए आचार संहिता लागू नहीं है।

सीएम के अवकाश पर बवाल

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

खाद्य सुरक्षा पर खतरा

मौसम के बदलते पैटर्न का असर सभी तरह की फसलों पर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी आशंका पहले से थी, लेकिन तब मौसम के मुताबिक खेती को समायोजित करने के उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया।

दालों के बाद अब गेहूं के दाम में भी तेजी से उछाल की खबर है। चर्चा यहां तक शुरू है गई है कि दालों की तरह भारत में गेहूं के आयात की स्थितियां भी लगातार बनी रह सकती हैं। दालों की उपज लगातार खपत से कम बनी हुई है, जबकि गेहूं के साथ अभी हाल तक यह बात नहीं थी। बल्कि दो साल पहले तक भारत गेहूं का एक बड़ा निर्यातक था। मगर इस साल आशंका है कि सरकार ने किसानों से गेहूं खरीद का जो लक्ष्य रखा था, वह पूरा नहीं हो पाएगा। सरकार का लक्ष्य 30 मिट्रिक टन गेहूं खरीद का है। मौसम के प्रतिकूल असर के कारण इस बार मध्य प्रदेश में गेहूं की पैदावार कम रही। इससे गेहूं के दाम बढ़े और बाजार में प्राइवेट खरीदारों से सरकारी एमएसपी की तुलना में अधिक भाव मिलने लगा। इसलिए किसानों ने सरकार को कम गेहूं बेचा। इसका असर सरकार की कुल खरीद पर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में गेहूं का थोक मूल्य पिछले साल की तुलना में 5.3 प्रतिशत ज्यादा रहा। गौरतलब है कि अप्रैल में खाद्य महंगाई दर 8.63 प्रतिशत दर्ज हुई। खाद्य मुद्रास्फीति की दर ऊंची बनी रहने के पीछे एक बड़ा कारण दालों की महंगाई है। अप्रैल में दालों की महंगाई दर 16.84 प्रतिशत रही। दाल पैदावार में गिरावट का सिलसिला साल-दर-साल जारी है। इस तरह इस क्षेत्र में आत्म-निर्भर बनने की योजनाएं एक तरह से नाकाम हो चुकी हैं। नतीजा दालों का बढ़ता आयात है। 2023-24 में ये आयात 3.90 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। वैसे इसमें रिकॉर्ड 2025-16 में बना था, जब 4.24 डॉलर का आयात हुआ। मगर उसके बाद से इसमें गिरावट दर्ज हो रही थी। विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम के बदलते पैटर्न का असर सभी तरह की फसलों पर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी आशंका पहले से थी, लेकिन तब मौसम के मुताबिक खेती को समायोजित करने के उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया। अब उसका परिणाम सामने आने लगा है। यह गंभीर चिंता की बात है कि भारत की बड़ी मुश्किल से हासिल खाद्य आत्म-निर्भरता इससे प्रभावित हो सकती है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विशेष

अगर किसी को गाली देनी हो या ब्लैक मेलर कहना हो, तो उसे पत्रकार कह दो!

मुंबई हलचल/संवाददाता

इस भौतिक संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था लिखने पढ़ने और बोलने आदि के रूप में संचालित हो रही है। मतलब अक्षर से शब्द और शब्द से वाक्य यानी लिखने पढ़ने और बोलने आदि के रूप में ही संसार का संचालन हो रहा है। पढ़ने और बोलने जैसे इन्हीं मुख्य माध्यमों में पत्रकारिता जैसा वह महाशब्द भी शामिल है, जो पूरे संसार की व्यवस्थाओं को प्रभावित करता है। वह व्यवस्था चाहे राजनीति से जुड़ी हो। व्यवसाय से जुड़ी हो या फिर अर्थ (धन) आदि से। हमारे जन्म और मृत्यु के साथ ही उसके बीच वाले कालखंड यानी जीवन को भी सूचित आदि करने के रूप में भी जो हर तरह से प्रभावित करती है। मेरी नजर में भौतिक संसार में उसे पत्रकारिता के नाम से ही जाना जाता है। पत्रकारिता जो मां सरस्वती की अपार कृपा का भी परिणाम मानी जाती है ,लेकिन न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लगभग 90% से अधिक पत्रकारों खासकर भारत के पत्रकारों ने पत्रकारिता के मामले में मां सरस्वती की कृपा वाली परिभाषा को बदल सा दिया है। मतलब अब यह नहीं कहा जा सकता कि जिसके ऊपर मां सरस्वती की कृपा होती है। उससे लक्ष्मी जी सदैव नाराज रहती हैं। मतलब अगर आप पत्रकारिता को अपना करियर बनाएंगे और चाहेंगे तो इसी के बल पर खाक पति से करोड़पति बन जाएंगे। यानी मां सरस्वती के खिलाफ लक्ष्मी जी की कृपा अवश्य पाएंगे।

शायद आपके भी संज्ञान में बहुत से ऐसे लोग भी होंगे ,जिन्होंने पत्रकारिता को अपना करियर बनाकर ना केवल भौतिक जीवन की सारी सुख सुविधाएं हासिल कर लीं बल्कि खाकपति से करोड़ पति भी हो गये। जबकि देश और समाज के हित में ईमानदारी से की जाने वाली पत्रकारिता उन्हें इस मुकाम पर कदापि नहीं पहुंचा सकती थी।

अब जहां तक हिंदी पत्रकारिता दिवस का सवाल है` पहले हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड का जिक्र करते हुए हम लोग इसे हर साल 30 मई को मनाते हैं। यह सच है किसी भी किसी भी दिवस को मनाना। उसके नाम पर सभाएं और गोष्ठियां कर लेना या सम्मान समारोह कर लेना अलग बात है और ऐसा कर लेने से उस दिवस जैसे कि हिंदी पत्रकारिता दिवस आदि को मनाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए लोकहित

वाली पत्रकारिता के सिद्धांतों और आदर्शों को अपनाना होगा। उनको ही जीना होगा, क्योंकि पत्रकारिता जैसा विषय लिखने, पढ़ने और कहने के रूप में संसार संचालक अक्षर से शब्द, शब्द से वाक्य यानी अजर, अमर ,अविनाशी शब्द ब्रह्म से जुड़ा हुआ है। मतलब अगर कुछ कहा न जाए। कुछ लिखा न जाए और कुछ पढ़ा ना जाए तो संसार का संचालन हो ही नहीं सकता , लेकिन पत्रकारिता के पेशे से जुड़े या खुद को पत्रकार कहने वाले 95% लोग देश और समाज के हित में पत्रकारिता के अपने उद्देश्य को पूर्ण करने की दिशा में जाते हुए नहीं दिखाई पड़ते और यह स्थितियां भारत ही नहीं बल्कि विश्व के किसी भी देश के लिए हितकर नहीं मानी जा सकती।

यह बात दीगर है कि 100 साल पहले ना तो हम लोग इस दुनिया में कहीं थे और ना ही 100 साल बाद कहीं होंगे। जीवन का जो एक संक्षिप्त कालखंड है। उसमें प्राप्त क्षमताओं के अनुरूप ही संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था के तहत हम लोगों ने अपने विभिन्न सांसारिक कर्तव्यों के निर्वहन दायरे में बोलने, लिखने और पढ़ने के रूप में संसार संचालक अजर , अमर , अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से वाक्य यानी पत्रकारिता को भी शामिल कर रखा है, जो कि निःसंदेह परमेश्वर की पूजा, साधना, उपासना , वंदना और आराधना ही है।

परंतु अधिकांश लोग किस उद्देश्य और किस तरह की पत्रकारिता करते हैं। पत्रकारिता की नीतियों ,नियमों और सिद्धांतों के खिलाफ किस तरह से खुले आम बलात्कार करते हैं ? वह पत्रकारिता की आड़ में अपना उल्लू सीधा करने के लिए क्या नहीं करते। यह सत्य भी किसी से छिपा नहीं है। अगर अपने भारत की बात करें तो यहां के लगभग हर जिले में बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग खुद को पत्रकार कहते हैं, कहलाते हैं, जिन्हें पत्रिकारिता शब्द लिखना तक नहीं आता। अपनी कमाई के लिए खास कर शाम को एक बोतल के जुगाड़ के लिए ये तथा कथित पत्रकार लगभग हर रोज कोई न कोई शिकार जरूर तलाश लेते हैं। इसमें जमीन के विवाद परिवार या पडोसियों में झगड़े मारपीट आदि के मामले भी उनके सबसे बड़े सहायक साबित होते हैं, जिनको पत्रकारिता की एबीसीडी तक नहीं आती। जो शुद्ध हिंदी तो दूर उसकी एक लाइन तक नहीं लिख पाते।

यहीं नहीं ऐसे भी घाघों की बहुतायत है, जिन्हें बलात्कार, दहेज उत्पीड़न और हरिजन उत्पीड़न आदि के मामलों में दलाली करने में महारत हासिल है। ये कतिपय तथा कथित पत्रकार तय धनराशि का पचास प्रतिशत पहले लेकर उस काम को कराने का बाकायदा ठेका ले लेते हैं। जबकि दर्जनों ऐसे भी हैं जो केवल ब्लैक मेलिंग के जरिये हर माह हजारों के वारे न्यारे करने में सफल रहते हैं। इस काम के लिए वे सुबह से ही कैमरा आदि लेकर निकल पड़ते हैं। इनका शिकार पहले नम्बर पर पुलिस वाले, दूसरे पर व्यापारी और तीसरे पर जनप्रतिनिधि होते हैं। पत्रकारिता की आड़ में ऐसा करने वालों में उन युवाओं की संख्या ज्यादा बताई जाती है, जो पत्रकार का चोला ओढ़ने के पहले लूट,चोरी, राहजनी ठगी, अपहरण और हत्या आादि जैसे संगीन अपराधों में किसी न किसी रूप में पहले भी लिप्त थे। आज भी लिप्त हैं। और भविष्य में भी लिप्त रहने की प्रबल सम्भावना हैं।

याद रहे कि इस तरह के अनेक तथा कथित पत्रकार पूर्व में लूट चोरी आदि की घटनाओं में पकड़े भी जा चुके हैं।

वहीं दूसरी ओर जो लोग इमानदारी से निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता का हिस्सा बनना चाहते हैं अथवा बने हुए हैं। उन्हें बहुत सारी समस्याओं से जूझना भी पड़ता है। खासकर वह लोग किसी न किसी समाचार पत्र के प्रकाशक और संपादक के रूप में पत्रकारिता के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। अखबार बनता रहे। अखबार छपता रहे। इससे जुड़ी व्यवस्थाएं करने में उन्हें जितनी कठिनाई होती है ,जितनी अंतः पीड़ा होती है। उसे उनकी आत्मा से बेहतर और कोई नहीं जानता होगा। 30 मई 1826 को कलकत्ता से युगल किशोर शुक्ला द्वारा प्रकाशित हिन्दी भाषा पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' केवल पैसे के अभाव में ही बंद हुआ था ....और आज के हालातों में भी इमानदारी से निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले लोग भी इन्हीं हालातों से जूझ रहे हैं। मतलब जरूरतों और आकांक्षाओं के चलते देश और समाज के हित में निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता बुरी तरह से प्रभावित होने से नहीं बच पाई है। जो लोग नियमों और सिद्धांतों के अनुरूप देश और समाज के हित में वास्तव में निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करना चाहते हैं या कर रहे हैं । उन लोगों से ईमानदारी की तो आशा की जाती है लेकिन ,निष्पक्ष और इमानदार पत्रकारिता में जिन बाधाओं और संकटों को झेलना पड़ता है, उनसे निजात कैसे मिले ? इसमें सहयोग करने वाला कोई नहीं है। इसीलिए पत्रकारिता की दशा और दिशा पर ना केवल गहन चिंतन बल्कि देश और समाज के हित में आवश्यक सुधार और परिवर्तन की भी जरूरत है। बरना जिनको इसकी नहीं बल्कि पत्रकारिता के माध्यम से अपना उल्लू सीधा करने की जरूरत है। वह पत्रकारिता को किस खतरनाक दिशा में ले जा चुके हैं। ले जा रहे हैं या फिर ले जाएंगे। वह उस किसी के भी हित में नहीं होगा, जो इस देश और समाज का वास्तविक हित चिंतक है। आज काफी संख्या में लोग पत्रकारिता पर पैसा लगा रहे हैं, जिससे अभी साबित होता है कि पत्रकारिता अब पत्रकारिता न रहकर एक बड़ा कारोबार बन गया है। ... और हो सकता है कि अनुचित स्वार्थ पूर्ति के उद्देश्य से की जाने वाली आज की लगभग 95 प्रतिशत तथाकथित पत्रकारिता आगे चलकर कुछ इस तरह की हो जाये कि लोग पत्रकारिता को भी गाली जैसे शब्द के रूप में प्रयोग करने लगें। मतलब अगर किसी को गाली देनी हो तो वह उसे पत्रकार कह दे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मध्य रेल पर 63 घंटे का मेगा ब्लॉक, 3 दिन प्रभावित रहेगी मुंबई की लाइफलाइन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश के सबसे पुराने और बड़े रेलवे स्टेशन सीएसएमटी रेलवे यार्ड को अपग्रेड किए जाने का कार्य किया जा रहा है। व्यस्ततम रेलवे स्टेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के मेकओवर योजना के पहले यार्ड, ट्रैक और प्लेटफॉर्म को नए सिरे से विस्तार देने की योजना रेल प्रशासन ने बनाई है। सीएसएमटी के प्लेटफॉर्म क्रमांक 10 और 11 के विस्तार कार्य के लिए 31 जून से 36 घंटे का विशेष ब्लॉक लिए जाने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा ठाणे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 व 6 को चौड़ा करने के लिए 63 घंटे का विशेष ब्लॉक लिया जाएगा। इसके

चलते मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनें 3 दिनों तक बाधित होने वाली हैं। मध्य रेलवे मुंबई मंडल के डीआरएम रजनीश कुमार गोयल ने नवभारत को बताया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से सीएसएमटी व ठाणे में होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए गुरुवार की शाम से ही ब्लॉक की अवधि शुरू हो जाएगी। डीआरएम ने मुंबई मंडल पर इस कार्य को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्लेटफॉर्म 10 और 11 को 16 कोच से 24 कोच की क्षमता में तब्दील कर दिया जाएगा। इसी तरह ठाणे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 5 व 6 की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य रिकॉर्ड समय में किया जाएगा। लगभग 3 दिनों तक चलने वाले इस कार्य की वजह से लोकल ट्रेनों के साथ लंबी दूरी की ट्रेनें भी प्रभावित होंगी। कई लंबी दूरी की ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। कोंकण जाने वाली ट्रेनें पनवेल स्टेशन से छोड़ी जाएंगी।

सीएसएमटी पर 36 घंटे और ठाणे में 63 घंटे के मेगा ब्लॉक के चलते शुक्रवार, शनिवार और रविवार को 930 से ज्यादा लोकल रद्द रहेंगी। मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ स्वप्निल नीला ने कहा कि इसकी सुचना मुंबई के सभी विभागों और आस्थापना को दी गई है। परेशानी से बचने के लिए ज्यादा जरूरत न हो तो 3 दिन लोकल यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

मुस्लिम महासंघ ने दिया ज्ञापन हकीम खा सूरी की मूर्ति स्थापना एवं चौराहा के नामकरण की मांग

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि मुस्लिम महासंघ पदाधिकारीयो द्वारा जिला कलेक्टर उदयपुर के मार्फत ज्ञापन दिया गया। और महाराणा प्रताप के वीर सेनापति हकीम खां सूरी की शहादत के संबंध में मांग की गई कि हल्दी घाटी युद्ध में महाराणा प्रताप के वीर सेना पति हकीम खा सूरी ने अकबर की सेना से मेवाड़ की रक्षा के लिए अपने 800 बहादुर सैनिकों के साथ लड़ते हुए शहीद हुए थे जिनकी शाहदत्त को

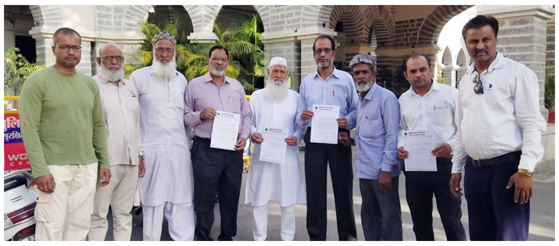

भुलाया नही जा सकता ऐसे वीर सेनापति की याद में फतेहसागर पाल पर हकीम खां सूरी की मूर्ति स्थापना करने एवम सवीना चौराहे का नामकरण हकीम खा सूरी चौराहा किए जाने की मुस्लिम महासंघ मांग करता है। और महाराणा प्रताप की सभी कौमो को साथ लेकर चलने की नीति का पालन भी होगा। एव 2 जून को वीर हकीम खा सूरी की मजार पर चादर शरीफ मुस्लिम महासंघ की जानिब से पेश की जाएगी। एव खिराजे अकीदत पेश की जाएगी। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी शफी मैके, हाजी शफी इंजी, हाजी रशीद खान, राष्ट्रीय संगठन सचिव नासिर खान पूर्व पार्षद, प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान, प्रदेश महासचिव पार्षद हिदायतुल्लाह, संभाग अध्यक्ष एडवोकेट तौकिर रजा, मोइनुद्दीन रहमानी, नजर मोहम्मद, अब्दुल मजीद, जिलाध्यक्ष शादाब खान, ग्रामीण जिलाध्यक्ष लियाकत खान, सुब्हान खान, एडवोकेट इकबाल, अय्यूब भाई आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन और चिंचन तारापुर मेमन जमात की तरफ से एम पी एल सिजन 9 का शानदार उद्घाटन हुआ

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर चिंचन

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले के चिंचन तारापुर में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन और चिंचन तारापुर मेमन जमात की तरफ से एम पी एल सिजन 9 राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार उद्घाटन हुआ। इस मौके पर मुख्य महेमानों के रुप में पी एल श्रोफ कोलेज चेयरमैन रजनीकांत श्रोफ, अमीत चुरी, रमेश वझे, अजहरुद्दीन शेख, शब्बीर मेमन, जय रविंद्र बारी, अनील सावे, प्रतिक चुरी, जगन्नाथ वझे, सत्तार भाई बावला, शब्बीर भाई बावला, सोहैल शेख, ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन झोनल सेक्रेटरी रफीक भाई भोजानी, चिंचन मेमन जमात के प्रेसिडेंट एखलास शरीफ, सेक्रेटरी वाहीद जुमानी, के साथ साथ कई नामी गिरामी सख्सियात मौजूद रहे और पी एल सिजन 9 का उद्घाटन किया

गया। ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफीसर, स्पोर्ट्स विंग के चेयरमैन आशीफ अबाजुमा, और चिंचन तारापुर मेमन जमात के सहयोग से इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 21 टीमें भाग ले रही हैं और समुंदर किनारे गांवदेवी ग्राउंड में पुरा टूनार्मेंट खेला जाएगा। मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सिरिज, विजेता टीम और रनर अप टीमों को शानदार ट्रोफी और पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

महाराष्ट्र बोर्ड : 10वीं में बेटियों ने मारी बाजी

कुर्ला की जिकरा खान ने बिना कोचिंग के प्राप्त की 85.20% अंक

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। आपको आमिर खान की फिल्म 'दंगल' का एक डायलॉग याद ही होगा, 'म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के? महाराष्ट्र बोर्ड 10वीं का रिजल्ट जारी होने के बाद महाराष्ट्र की बेटियों ने साबित कर दिया है। महाराष्ट्र बोर्ड 10वीं की परीक्षा में बेटियों का रिजल्ट लड़कों के मुकाबले काफी अच्छा रहा है। 10वीं में 97.21% लड़कियां पास हुई हैं। जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 94.56% ही रहा है। लड़कियां लड़कों से 2.65% अधिक पास हुई हैं। आपको बता दें कि मुंबई कुर्ला के रहने वाले अनीस खान की बेटी जिकरा खान ने बिना कोचिंग के महाराष्ट्र बोर्ड 10वीं में 85.20% अंक प्राप्त की है। जैसे ही रिजल्ट घोषित हुए वैसे ही जश्न का दौर शुरू हो गया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

जिकरा खान ने बातचीत में बताया कि बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। कड़ी मेहनत के कारण सफलता मिली है। पढ़ाई के लिए रोज 7 से 8 घंटे तो समय निकालना ही चाहिए. बड़ी बात यह है कि जिकरा खान ने सिर्फ स्कूल से पढ़ाई की, कोचिंग का सहारा नहीं लिया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने अम्मी-अब्बू और स्कूल के टीचरों को दिया है। जिकरा ने कहा कि उनके ही दुवाओं से 10वीं में 85.20% प्रतिशत अंक प्राप्त हुए. जिकरा आगे चलकर और अच्छी तैयारी करेंगी और देश की सेवा करना चाहती हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में सूखे का गंभीर संकट और छुट्टी पर एकनाथ शिंदे

जबकि उत्तर महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात, पश्चिम महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, विदर्भ में विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार, अमरावती में पूर्व मंत्री यशोमति ठाकुर और कोंकण संभाग में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नसीम खान ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

मुंबई पुलिस का बड़ा खुलासा

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने हिरासत अवधि बढ़ाने के लिए दाखिल याचिका में कहा कि महानगर क्षेत्र में ईगो मीडिया के 28 होर्डिंग हैं और आरोपी की मासिक आय करोड़ों रुपये है, लेकिन फिर भी जो होर्डिंग गिरा उसका निर्माण घटिया स्तर का था और इसके परिणामस्वरूप 17 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए।

पुणे पोर्शे कांड में बड़ा एक्शन

इसके अलावा, बी जे मेडिकल कॉलेज और ससून सिविल अस्पताल के डीन डॉ. विनायक काले को जबरन अवकाश पर भेज दिया गया है और उनका अतिरिक्त प्रभार डॉ. चंद्रकांत म्हस्के को सौंप दिया गया है। महाराष्ट्र मेडिकल शिक्षा विभाग के आयुक्त की सिफारिश पर फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. अजय तावड़े और ससून अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीहरि हल्नोर को निलंबित करने का आदेश दिया गया।

पुलिस स्टेशन में तलाशी के नाम पर...

महिला ने बताया कि पूछताछ करने के बाद यह लोग कोपर खैरणे स्थित तीन टाकी पुलिस चौकी अपने साथ ले गए जहां पर मेरे सारे कपडे उतारकर पहले तलाशी ली और बाद में धमकी देते हुए कहा कि हम लोगों को एक लाख रुपए लाकर दो नहीं तो तुम्हारे ऊपर गांजा बेचने का मामला दर्ज किया जाएगा। इन तीनों पुलिस वालों ने वीडियो होने की बात कही लेकिन जब उनसे दिखाने के लिए कहा तो वे धमकी देने लगे। महिला ने पुलिस कर्मियों पर छेड़खानी और अश्लील भाषा का उपयोग करने का भी आरोप लगाया है

खबर संक्षेप

रसायन फैक्टरी विस्फोट केस में एक और गिरफ्तार

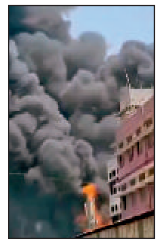

ठाणे। महाराष्ट्र के डोंबिवली में पिछले सप्ताह रसायन फैक्टरी में विस्फोट मामले में कंपनी के एक और निदेशक को गिरफ्तार किया गया है। फैक्टरी के रिएक्टर में विस्फोट की घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। 'अमुदन केमिकल्स' में विस्फोट से घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और वहां खड़ी कारें, सड़कें और बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए थे।

लालू-राबड़ी केस, 7 तक सीबीआई 'चालान' दे

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब यानी नौकरी के बदले जमीन मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआईको 7 जून तक अंतिम चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सीबीआई द्वारा हर तारीख पर चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय मांगने पर भी नाराजगी जताई। लालू और उनके परिवार के सदस्य आरोपी हैं। इससे लालू और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

आजम व बरकत अली दोषी करार, सजा आज

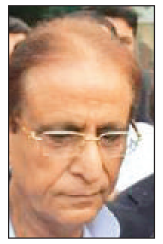

रामपुर। यहां के डूंगरपुर बस्ती केस के एक और मामले में सपा नेता आजम खां को कोर्ट ने फिर झटका दिया है। कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया है। सजा गुरुवार को सुनाई जाएगी। आजम के खिलाफ 2019 में डूंगरपुर में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में अलग- अलग 12 केस दर्ज कराए थे।

झामुमो सरकार के संरक्षण में बालू माफिया, लैंड माफिया गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा

मोदी ने जातिवाद, परिवारवाद और क्षेत्रवाद को खत्म कर विकासवाद की राजनीति की

झारखंड में कांग्रेस के सांसद के घर से 300 करोड़ और पीए से संबंधित घर से 30 करोड़ रुपए बरामद : नड्डा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को झारखंड के सारठ में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए फिर एक बार मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया। पिछले 10 सालों में पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने कर्म और तप के आधार पर लोगों के मन में ये विश्वास दिलाया कि देश बदल सकता है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की बात करके आई झामुमो सरकार के संरक्षण में बालू माफिया बालू गायब कर रहा है और लैंड माफिया सरकार और गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा है। इंडी गठबंधन सरकार के संरक्षण में घुसपैठिए आदिवासी बहनों को गुमराह कर लव जिहाद को अंजाम दे रहे हैं।

इस दौरान मंच पर दुमका प्रत्याशी सीता सोरेन, सांसद सुनील सोरेन, प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद आदित्य साहू और विधायक रणवीर सिंह सहित पार्टी के अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

नड्डा ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपए और एक मंत्री के पीए से संबंधित घर से 30 करोड़ रुपएबरामद होते हैं। ये गरीबों का पैसा है। पीएम मोदी ने इन भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करके गरीब का पैसा गरीब को वापस लौटाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले एक दशक में जातिवाद, परिवारवाद और क्षेत्रवाद को समाप्त किया और विकासवाद की राजनीति को बढ़ावा देते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास ' के मंत्र के आधार पर आगे बढ़े। आज देश की राजनीति का चरित्र, परिभाषा, संस्कृति और कार्य करने का ढंग बदल चुका है। पहले जाति, धर्म और क्षेत्र के नाम पर वोट मांगे जाते थे लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में विकासवाद और रिपोर्टकार्ड की राजनीति हो रही है। आज भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

आज कोरोना जैसी महामारी और रूस यूक्रेन-युद्ध के कारण अमेरिका, इंग्लैंड, यूरोप, और जापान जैसे देशों की अर्थव्यवस्था कठिनाई से जूझ रही हैं, ऐसी परिस्थिति में भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 28 किमी प्रतिदिन की गति 55 हजार किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 26 हजार किमी नया रेलवे ट्रैक और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत लगभग 1.5 लाख किमी ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। भाजपा सरकार ने देवघर में हवाई अड्डा, केंद्रीय विद्यालय और एम्स जैसी आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया है। आज जनता आसनसोल, मुंगेर और भागलपुर से रोजगार के लिए देवघर आ रही है।

नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने दो लाख गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा है और इन दो लाख गांवों में कॉमन सर्विस सेंटर खुल गए हैं। आज इन गांवों के नौजवान गांव में रहकर विश्व के किसी भी विश्वविद्यालय का आवेदन पत्र भर सकता है लेकिन कांग्रेस और झामुमो ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के इस काम को भारत को अनपढ़ करार देते हुए पैसे की बर्बादी बताते थे। ये लोग नहीं जानते थे कि प्रधानमंत्री भारत के असली सामर्थ्य से बखूबी वाकिफ थे और इसीलिए आज सब्जी बेचने वाला भी डिजिटल लेनदेन करता है। आज विश्व का 40 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहा है।

मुठभेड़ में महिला समेत दो इनामी नक्सली ढेर

मुंबई हलचल / जगदलपुर

बीजापुर जिले के बंदेपारा के जंगलों में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया। सुरक्षाबलों ने दोनों नक्सलियों के शव के अलावा भारी मात्रा में विस्फोटक व नकद बरामद किया है। मारे गए नक्सली की शिनाख्त मंगलू कुडियम निवासी गुजाकोंटा मिलिशिया कमांडर व दंतेवाड़ा जेल ब्रेक आरोपी के रूप में की गई है। एक अन्य महिला नक्सली की शिनाख्त मनीला के रूप में हुई, जिस पर 8 लाख रुपए का इनाम था। बीजापुर पुलिस ने यह जानकारी दी है।

■ मारा गया नक्सली दंतेवाड़ा जेल ब्रेक का आरोपी, दोनों पर 9 लाख का था इनाम घोषित

दो शव बरामद

सर्च अभियान के दौरान सुबह 7-8 बजे के बीच कोरंजेड़-बंदेपारा के बीच जंगल में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। सर्चिंग के दौरान 1 महिला व 1 पुरुष माओवादी के शव के साथ 7.66 एमएम पिस्टल, 12 बोर सिंगल शॉट बंदूक, टिफिन बम, जिलेटिन स्टिक, कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज व 5-5 सौ रुपए के 60 नोट 30 हजार रुपए नकद बरामद किया गया।

खबर संक्षेप

10 अक्टूबर को अंतरिक्ष में होगी अनोखी खगोलीय घटना

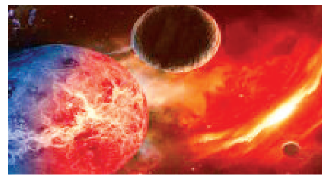

वॉशिंगटन । इस साल अंतरिक्ष में एक नया अनुभव देखने को मिलेगा। पूर्ण सूर्य ग्रहण और ऑरोरा बोरेलिस के बाद स्काईगेजर्स के लिए एक नई खगोलीय घटना सामने आ रही है। स्काईगेजर्स को एक दुर्लभ अंतरिक्ष घटना दिखी जा सकेगी, जिसमें धूमकेतु त्सुचिनशान-एटीएलएएस (सी/2023 ए 3) शामिल है। ये रात में अपनी चमक बढ़ाने की प्रक्रिया में है। इस धूमकेतु ए 3 की ऑर्बिट मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित है।

विधायक के बेटे का आया कनेक्शन!

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को दावा किया कि एक विधायक के बेटे समेत कुछ 'हाई प्रोफाइल'लोग पब में शराब पीकर उस पोर्श कार में सवार हुए थे। पटोले ने आरोप लगाया कि विधायक ने मामले को कवर करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। दुर्घटना के समय कार रेस चल रही थी। सीबीआई जांच की मांग दोहराई और पुलिस से कार में मौजूद लोगों के नाम 'खुलासा' करने को कहा।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

पाक की जेल में बंद दो भारतीयों से मिले उच्चायोग के अधिकारी

> दोनों युवकों की पहचान 29 वर्षीय फिरोज अहमद लोन और 24 वर्षीय नूह अहमद वानी के रूप में हुई है

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने सोमवार को पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद दो भारतीय युवकों से मुलाकात की।

इन युवकों को जासूसी के आरोप में चार साल पहले गिरफ्तार किया गया था। हाल ही में इन्हें उच्च सुरक्षा वाली रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट किया गया है। दोनों युवकों की पहचान 29 वर्षीय फिरोज अहमद लोन और 24 वर्षीय नूह अहमद वानी के रूप में हुई है।

2018 से लापता हैं दोनों

पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग या पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। दोनों युवक साल 2018 में जम्मू कश्मीर से लापता हुए थे। माना जाता है कि दोनों युवक गलती से सीमा पार कर गए थे, लेकिन पाकिस्तान की पुलिस ने दोनों पर जासूसी के आरोप लगाते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया था।

जम्मू कश्मीर के निवासी हैं दोनों युवक

पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार दोनों युवक जम्मू कश्मीर के बांदीहुराह इलाके के गोरेज इलाके के निवासी हैं। दोनों को साल 2020 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित बाल्टिस्तान इलाके से गिरफ्तार किया गया था। दोनों को हाल ही में पीओके की गिलगित बालटिस्तान जेल से रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट किया गया है। भारत सरकार की अपील पर पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद भारतीय नागरिकों को काउंसलर एक्सेस दिया है। इसके बाद सोमवार को भारतीय उच्चायोग और भारतीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों की एक टीम ने जेल में बंद भारतीय नागरिकों से मुलाकात की।

अवैध खनन का मामला

रोपड़ में 13 स्थानों पर ईडी के छापे, 3.5 करोड़ रु. जब्त

मुंबई हलचल / रोपड

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को प्रदेश में खनन माफियों पर दबिश दी। ईडी की 13 टीमों ने खनन माफियों के करीब 28 ठिकानों पर छापामारी की।

प्रदेश के रूपनगर और होशियारपुर में इन 28 जगहों पर ईडी की 13 टीमों ने रेड कर 3.5 करोड़ रुपये की नकदी भी बरामद की। प्रदेश में खनन माफिया जोरों से काम कर रहा है, इसको लेकर केंद्रीय जांच एर्जेसियों को इनपुट मिले थे। बीते दिनों पंजाब विजिलेंस की ओर से भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में करीब 20 खनन माफियों के नाम सहित और इस

कालाबाजारी में शामिल अफसरों के नाम सहित डीजीपी पंजाब को इनपुट भेजे गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीते दिनों पटियाला में पंजाब की पहली चुनावी सभा में कहा था कि प्रदेश सरकार का यहां आदेश नहीं चलता, यहां खनन माफिया, ड्रग्स माफिया और गैंगस्टरों की मनमानी चलती है।

राष्ट्रीय बाल भवन में समर फिएस्टा-2024 का आगाज

पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियां भी काफी अहम

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने विचार व्यक्त किए

एक माह होगा उत्सव

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय बाल भवन में एक माह तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन उत्सव (समर फिएस्टा)- 2024 का उद्घाटन किया। यह शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा,साक्षरता विभाग के अधीन एक स्वायत्त निकाय है।

इसकी स्थापना बच्चों में चिंतन, कल्पना, सृजनात्मकता और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

28 जून तक चलेगा आयोजन

ग्रीष्मकालीन उत्सवका आयोजन 28 जून तक होना है। इस दौरान साप्ताहिक आधार पर विशेष कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें ओडिसी नृत्य, योग, सुलेख, संगीत गायन, खेल आदि पर सत्र शामिल होंगे। ये कार्यशालाएं बच्चों को अपने कौशल और प्रतिभा को विकसित करने और प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित की गई हैं।

30 से अधिक प्रकार की विभिन्न गतिविधियां भी शामिल

समर फिएस्टा -2024 में 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 30 से अधिक प्रकार की विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। इस अवसर पर संजय कुमार ने बच्चों और उनके अभिभावकों की उत्साही सभा को संबोधित करते हुए युवा मस्तिष्कों के पोषण में इस तरह के संवादात्मक और अभिनव कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य में सफल होने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

प्रख्यात कलाकार और अतिथि भी होंगे शामिल

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम में प्रख्यात कलाकार और अतिथि भी शामिल होंगे, जो इन विशेष कार्यक्रमों में अपने अनुभव साझा करेंगे और बच्चों को प्रेरित करने के लिए आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे। इस पहल को शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है और 2500 से अधिक बच्चे पहले ही विभिन्न कार्यशालाओं व कार्यक्रमों के लिए नामांकित हो चुके हैं। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों की सुगम पहुंच के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से पूरी दिल्ली में परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

पंजाब में सिंगूर कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह जी खेड़ा लिए चुनाव कैंपेनिंग करते हुए नवनीत कौर, मुमताज शेख अनीता परिहार

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

संगरूर। लोक सभा हल्का संगरूर किसान छात्रावास के नेता के साथ संगरूर लोक सभा क्षेत्र में कैंपिनियन कि जिस में राजस्थान की महिला संगठन और भारत के पद अधिकारी शामिल थे जिसमे अखिलेश जी शुक्ला वाइस प्रेसिडेंट और मुमताज नेगी बीकानेर टीम के साथ संपर्क के आधार पर कई लोगों से मुलाकात करवाई जुगल किशोर उपाध्याय परवक्ता ने एवम इंडियन नेशनल कांग्रेस के नवनीत कौर और मुमताज और जमील खान अनिता परिहार और सुरेश परिहार और वीरेंद्र हुड्डा जी, ओम प्रकाश, मनोज खत्री, म्युनिसिपल नेता और जगसीर कौर महिला प्रधान द्वारा जुगल किशोर और मैडम कौर एवम महिला ने पूरी शक्ति से जोश दिखाया और कैंपिनियन

किया हमारे प्रिय नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा विकास पुरुष माननीय बीडी कल्ला जी ने राजस्थान टीम का आभार प्रकट किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली से देहरादून महज ढाई घंटे में

23 किलोमीटर कम हो जाएगी दूरी

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे परियोजना के अंतिम छोर पर 12 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड ने आकार ले लिया है। घने जंगल के बीच स्काई राइड की भांति यह एलिवेटेड रोड पूरी परियोजना का प्रमुख आकर्षण है। 12 किलोमीटर की लंबाई में एलिवेटेड रोड के ऊपर स्लैब डाल दिए गए हैं, जबकि 11 किलोमीटर भाग पर डामरीकरण का कार्य भी पूरा किया जा चुका है। माना जा रहा है कि जुलाई 2024 तक एलिवेटेड रोड वाहनों के लिए खोल दी जाएगी। इसके बाद दिल्ली से देहरादून के बीच की दूरी को महज ढाई घंटे के भीतर पूरा किया जा सकेगा। परियोजना का निर्माण समय के भीतर पूरा करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अधिकारी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। वर्तमान में दिल्ली से देहरादून के बीच की दूरी 236 किलोमीटर है, जो परियोजना के पूर्ण होने के बाद घटकर 213 किलोमीटर रह जाएगी। यानी, दूरी 23 किलोमीटर कम हो जाएगी और छह घंटे के सफर के समय में भी साढ़े तीन घंटे तक की कमी आ जाएगी। परियोजना के सबसे बड़े आकर्षण में शामिल सहारनपुर के गणेशपुर क्षेत्र से देहरादून की सीमा तक करीब 12 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड को लेकर

एनएचएआइ का देहरादून स्थित परियोजना निदेशक कार्यालय काफी सक्रिय है। इसके निर्माण के बाद वाहन एलिवेटेड रोड से गुजरेंगे, जबकि नीचे का भाग वन्यजीवों के स्वच्छंद विचरण के काम आएगा। परियोजना निदेशक कार्यालय के अनुसार, एलिवेटेड रोड का काम अंतिम चरण में है। घने वन क्षेत्र के बीच एलिवेटेड रोड की सुंदरता देखते ही बन रही है। परियोजना के इस भाग की प्रगति 90 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। जिस पर डामरीकरण के साथ ही साइनेज, कैट आइआर मार्किंग के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। शेष एक किलोमीटर भाग पर डामरीकरण की तैयारी शुरू कर दी गई है। एलिवेटेड रोड पर रफ्तार के शौकीनों को नियंत्रण में रखने के लिए एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) की व्यवस्था की जाएगी। इसके माध्यम से कैमरे स्पीड पर निगाह रखेंगे और तय मानक से अधिक रफ्तार पाए जाने पर आनलाइन चालान कटेगा। एलिवेटेड रोड पर वीडियो इंसीडेंट डिटेक्शन सिस्टम (वीआइडीएस) लगाए जाएंगे। जो सड़क दुर्घटना की दशा में स्वतः ही कंट्रोल रूम को सूचना भेज देंगे। ताकि समय राहत एवं बचाव कार्य किए जा सकें। एनएचएआइ अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली-दून एक्सप्रेसवे का निर्माण 213 किलोमीटर पर कुल 11 पैकेज में गतिमान है। यह कार्य प्राधिकरण के अलग-अलग परियोजना कार्यालय देख रहे हैं। परियोजना को धरातल पर उतारने का काम अलग-अलग पैकेज के मुताबिक अधिकतम नवंबर 2024 तक पूरा किया जाना है।

परिदृश्य स्थिर से बढ़ाकर सकारात्मक किया

एसएंडपी ने भारत के साख परिदृश्य को 'सकारात्मक' किया, दो साल में सुधरेगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की सॉवरेन रेटिंग को निम्नतम निवेश ग्रेड 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा है। 'बीबीबी-' सबसे निचली निवेश श्रेणी रेटिंग है। एजेंसी ने पिछली बार 2014 में रेटिंग परिदृश्य को 'नकारात्मक' से बढ़ाकर 'स्थिर' किया था।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत के साख (रेटिंग) परिदृश्य को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया है। मजबूत वृद्धि, पिछले पांच वर्षों में सार्वजनिक व्यय की बेहतर गुणवत्ता तथा सुधारों और राजकोषीय नीतियों में व्यापक निरंतरता की उम्मीद के बीच 10 साल के अंतराल के बाद भारत के रेटिंग परिदृश्य में यह बदलाव संभव हुआ है।

भारत सतर्क राजकोषीय नीति अपनाता है

अमेरिका की एजेंसी ने बुधवार को बयान में कहा कि यदि भारत सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीति अपनाता है जिससे सरकार के बढ़े हुए कर्ज तथा ब्याज के बोझ में कमी आती है और आर्थिक मोर्चे पर जुझारूपन बढ़ता है तो वह अगले 24 महीने में भारत की साख को बढ़ा सकती है।

आरबीआई के लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होगा

एसएंडपी की रेटिंग भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सरकार को 2.10 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरित करने के एक सप्ताह के भीतर आई है। इस राशि का इस्तेमाल केंद्र के राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए किया जा सकता है।

- दस साल के अंतराल के बाद भारत के रेटिंग परिदृश्य में बदलाव
- भारत की सॉवरेन रेटिंग निम्नतम निवेश ग्रेड 'बीबीबी-' बरकरार
- एजेंसी ने 2014 में रेटिंग परिदृश्य नकारात्मक से बढ़ाकर स्थिर किया था

राजकोषीय स्थिति हमेशा से कमजोर रही

एसएंडपी ने कहा कि यदि भारत का राजकोषीय घाटा सार्थक रूप से कम होता है और परिणामस्वरूप सामान्य सरकारी ऋण संरचनात्मक आधार पर सकल घरेलू उत्पाद के सात प्रतिशत से नीचे आ जाता है, तो वह रेटिंग बढ़ा सकती है। एसएंडपी ने कहा कि पिछले चार से पांच वर्षों में सरकारी खर्च की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

फिच, मूडीज ने सबसे निम्न निवेश ग्रेड रेटिंग दी

सार्वजनिक निवेश तथा उपभोक्ता गति अगले तीन से चार साल में ठोस वृद्धि संभावनाओं को आधार प्रदान करेगी। सभी तीन प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसियों एसएंडपी, फिच और मूडीज ने भारत को सबसे निम्न निवेश ग्रेड रेटिंग दी है।

भारत अपना आर्थिक सुधार बनाए रखेगा

एसएंडपी ने कहा, 'सकारात्मक परिदृश्य हमारे इस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है कि निरंतर नीतिगत स्थिरता, गहन आर्थिक सुधार तथा उच्च बुनियादी ढांचा निवेश दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को बनाए रखेंगे।' एजेंसी का अनुमान है कि पिछले तीन वर्षों में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर औसतन 8.1 प्रतिशत सालाना रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है।

सरकारी व्यय की गुणवत्ता में सुधार

एसएंडपी ने कहा," भारत के प्रति हमारा सकारात्मक परिदृश्य इसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि, सरकारी व्यय की गुणवत्ता में स्पष्ट सुधार और राजकोषीय समावेशन के प्रति राजनीतिक प्रतिबद्धता पर आधारित है। हमारा मानना है कि ये कारक मिलकर ऋण परिदृश्य को लाभ पहुंचा रहे हैं।"

भारत का परिदृश्य संशोधित किया गया

एसएंडपी ने कहा, "मजबूत वृद्धि और सरकारी खर्च की बढ़ती गुणवत्ता के दम पर भारत का परिदृश्य संशोधित कर 'सकारात्मक' किया गया। साथ ही 'बीबीबी-' दीर्घकालिक और 'ए-3' अल्पकालिक विदेशी तथा स्थानीय मुद्रा सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की जाती है।"

उधार लेने की लागत पर प्रभाव पड़ता है

साख रेटिंग किसी देश के निवेश परिदृश्य के जोखिम स्तर को मापने का एक साधन है। साथ ही निवेशकों को देश की अपना ऋण चुकाने की क्षमता से अवगत कराती है। निवेशक इन रेटिंग को देश की साख के मापदंड के तौर पर देखते हैं और इसका उधार लेने की लागत पर प्रभाव पड़ता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

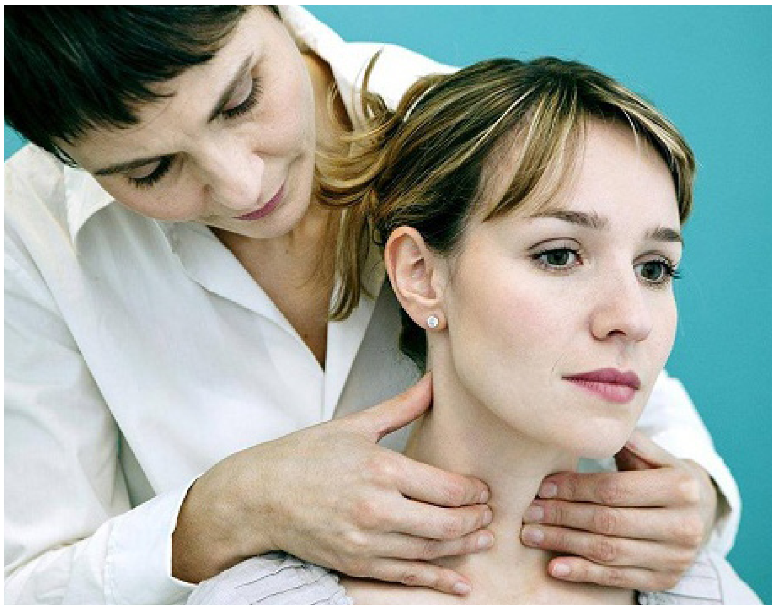

थायराइड की वजह से बढ़ रहा है वजन तो ऐसे करे कम

आजकल के बिजी शेड्यूल और खान-पान की बदलती आदतों के कारण लोगों में थायराइड की समस्यां बढ़ती जा रही है। थायराइड के कारण कुछ लोगों का वजन इतना बढ़ जाता है कि उनके लिए कोई भी काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में मोटापा कम न होने के कारण थायराइड के साथ-साथ आपको कई ओर प्रॉब्लम का सामना भी करना पड़ सकता है। आइए जानते है इसके कारण बढ़ रहें मोटापे को आप कैसे कम कर सकते है।

1. एल्कोहल का सेवन

थायराइड की परेशानी होने पर एल्कोहल का सेवन करने से भी आपका मोटापा बढ़ जाता है। इसके अलावा इससे आपका एनर्जी लेवल कम हो जाता है और रात को नींद न आना, बेचैनी और घबराहट जैसी समस्याएं हो जाती है।

2. समय पर दवाई लेना

थायराइड की दवा नियमित और सही समय पर लेने से आपका वजन नहीं बढ़ता। कुछ लोग थायराइड की समस्यां को मामूली समझ कर इग्नोर कर देते है। इसमें दी जाने वाली एंडरएक्टिव दवाओं से वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए इनका सेवन जरुर करें।

3. हेल्दी भोजन

थायराइड में वजन कम करने के लिए रोजाना समय पर हेल्दी भोजन लें। अपने भोजन में सब्जियां और फल को शामिल करें। इसके अलावा वसायुक्त डेयरी उत्पादों और प्रोटीन खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

4. नियमित व्यायाम

इस बीमारी के कारण बढ़ रहें मोटापे को कम करने के लिए नियमित व्यायाम करें। सप्ताह में कम से कम पांच दिन तीस मिनट रोज व्यायाम या स्विमिंग करने से आपका मोटापा गायब हो जाएगा।

5. जूस पीना

थायराइड में चाय का अधिक सेवन करने से भी मोटापा बढ़ जाता है। इसके बजाए आप रोजाना चुकंदर, अनानास और सेब से बना जूस पी सकते है। रोजाना इसे पीने से आपका मोटापा भी कम हो जाएगा और आपको एनर्जी भी मिलेगी।

लहसुन का अधिक सेवन करने से होती हैं ये बीमारियां

लहसुन का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। इससे खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है। लहसुन में कई तरह के एंटीबैक्टीरियल गुण भी होते हैं जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं लेकिन इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर को नुकसान भी पहुंचता है। आज हम आपको लहसुन से होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में बताएंगे।

1. लीवर को नुकसान

शरीर के सभी अंगों को सही तरीके से चलाने के लिए लीवर का अहम काम है। ऐसे में लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है लेकिन लहसुन का अधिक सेवन करने से लीवर को नुकसान पहुंचता है। लहसुन में मौजूद ऑक्सीडैंट गुण शरीर में विषैले पदार्थों को एकत्रित कर देते हैं जो लीवर पर बुरा असर डालते हैं।

2. सांसों की बदबू

अक्सर देखा जाता है कि लहसुन को जब कच्चा खाया जाता है तो मुंह में से बदबू आने लगती है जो थोड़ी देर बाद ठीक हो जाती है लेकिन जब रोजाना और ज्यादा मात्रा में लहसुन खाया जाए तो हमेशा के लिए सांसों में से बदबू आने लगती है। इसमे कुछ कैमिकल होते हैं जो मुंह की बदबू का कारण बनते हैं।

3. जी मचलाना

कुछ लोग एसिडिटी से बचने के लिए सुबह खाली पेट लहसुन की 2 कलियां खाते हैं लेकिन खाली पेट इनका सेवन करने से उल्टी, जी मचलाना या सीने में जलन की समस्या हो जाती है।

4. एक्जिमा

खाने में लहसुन का अधिक इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधी कई समस्याएं हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है एक्जिमा, जिसमें स्किन लाल हो जाती है और रैशेज पड़ जाते हैं। लहसुन में एलियिन लाइसे एंजाइम होता है जिससे त्वचा पर जलन होने लगती है।

आखिर क्यों पड़ते है आंखों के नीचे डार्क सर्कल?

डार्क सर्कल्स की समस्या किसी एक की नहीं, बल्कि बहुत सी महिलाओं की हैं। इससे आंखें भी बेकार लगने लगती है। महिलाएं डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए तरह-तरह के ट्रीटमेंट तो अपनाती है लेकिन इनकी वजह जानने की कोशिश नहीं करती। अगर आपको डार्क सर्कल्स के कारण पता होंगे, तभी आप इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकती है। अधिकतर लोगों का मानना है कि पर्याप्त नींद न लेने की वजह से आंखों ने नीचे काले घेरे पड़ जाते है लेकिन इसके अलावा भी बहुत से कारण है जो डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देते है।

▶▶ मेकअप

आंखों के नीचे की स्किन काफी मुलायम और पतली होती है, जिसपर एलर्जी होने का खतरा बना रहता है। जब आप आईमेकअप प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते है तो भी आंखों के नीचे की स्किन काली पड़ जाती है।

▶▶ बीमारी

डार्क सर्कल्स का कारण एनीमिया और किडनी में गड़बड़ी भी हो सकती है। जब शरीर में खून की कमी होने लगती है तो आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ने लगते है।

▶▶ थकान और अनिंद्रा

यदि आप सारा दिन शारीरिक और मानसिक रूप से काम करते है तो भी आंखों के नीचे काले

घेरे पड़ सकते है। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेना भी इसका कारण है।

▶▶ पानी की कमी

दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से चेहरे का ग्लो बढ़ता है। अगर आप कम पानी पीती है तो इससे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स नजर आने लगते है। इसलिए बेहतर ही की दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पीएं।

▶▶ पिगमेंटेशन

तेज धूप में ज्यादा समय बिताने से स्किन पर डार्क स्पॉट पड़ जाते है। इसी वजह से आंखों के नीचे भी डार्क रंग के घेरे पड़ जाते है। इसलिए धूप में जाने से पहले चश्मा जरूर पहने।

▶▶ खराब लाइफस्टाइल

खराब लाइफस्टाइल भी डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देता है। अगर आप ज्यादा धूम्रपान या शराब का सेवन करते है तो इस समस्या से गुजरना पड़ सकता है।

अकेले होने पर आ जाए हार्ट अटैक तो इस तरह करे इलाज

डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और थायराइड के मरीजों को दिल के दौरे का खतरा सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में घर पर किसी के न होने पर दिल का दौरा पड़ने से आपकी जान भी जा सकती है। इसलिए इस तरह के मरीजों के लिए सावधानी बरतना बहुत जरुरी होता है। आज हम आपको ऐसे उपाएं बताने जा रहें जिससे अकेले में दिल का दौरा पड़ने पर आप खुद भी कर सकते है।

दिल के दौरे के संकेत

इसके उपाएं जानने से पहले इसके लक्षण जानना आपके लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपको सीने में दर्द, भारीपन, बाजू, गर्दन, जबड़े, पीठ और पेट में दर्द महसूस हो तो ये दिल के दौरे का संकेत हो सकता है।

ऐसे करें अकेले इलाज

☞साने में तेज दर्द शुरू होने के बाद यह धीरे-धीरे आपके कंधे और जबड़ो में जाता है और आप बेहोश हो जाते है। अगर आपके सीने में दर्द हो रहा है तो सबसे पहले को एम्बुलेंस को कॉल करें।

☞कॉल करने के बाद आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाएं और अगर आपने टाइट कपड़े पहने है तो उसे उतार दें।

☞गहरी और लंबी-लंबी सांस लेते रहें ताकि फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी न हो। अगर घर में अगर ऐस्पिरिन है तो उसे चबा लें।

☞नाइट्रोग्लिसरीन की 1 गोली जीभ के नीचे रख लें। अगर दर्द कम नहीं होता तो 15 मिनट बाद एक ओर गोली जीभ के नीचे रख लें।

दैनिक मुंबई हलचल

मुंबई, गुरुवार
30 मई, 2024

हिंदी पत्रकारिता दिवस

की सभी हिंदी पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं!

उन सभी पत्रकारों का धन्यवाद जो अपनी पत्रकारिता से देश और सरकार को जागरुक कर रहे हैं।

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)